सांवरिया थारी प्रीत में | by Sona Jadhav

मैं दीवानी श्याम की श्याम मोरे सिरमौर
रोम रोम में बस रयो म्हारे नन्द किशोर

लत लागी थारी गिरधारी
तन मन की सुध खो दी सारी
सांवरिया मने थारे आगे सारो यो जग फीको लागे
दुनिया सारी भूल भुला के जोगन हो गई रे
सांवरिया थारी प्रीत में बैरागन हो गई रे
लत लागी थारी गिरधारी.....

थारो नाम लिखूं मैं हर दम थारो ही मैं बाँचूँ
थारे आगे मैं सांवरिया बाँध घूंघरा नाचूं
मैं मीरा थारे गिरधारी अर्पण हो गई रे
सांवरिया थारी प्रीत में बैरागन हो गई रे

मैं हूँ प्रेम दीवानी मीरा म्हारो प्रेम क़बूलो
म्हारी नैया पार लगाओ श्याम मने मत भूलो
फूलों में ढूंढूं चाहे कलियों में
सांवरिया सांवरिया पुकारूँ गलियों में

पियो ज़हर को प्यालो लेकर नाम सांवरा थारो
थारे ही कारण नन्द लाला जनम सुधरियो म्हारो
मैं भव पार सांवरा थारे कारण हो गई रे
सांवरिया थारी प्रीत में बैरागन हो गई रे

गोविन्द मेरो है गोपाल मेरो हो .....
वो तो राधा रमण नन्द लाल मेरो है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%a5%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80%e0%a4%a4-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-sona-jadhav/